E Learning Study Material
By Prof YADWENDRA SINGH
MAHARAJA COLLEGE ARA
VKS UNIVERSITY ARA BIHAR
BA PART TWO ECONOMICS HONS
PAPER THREE

Merits and Demerits of Peasant Proprietorship or Individual Farming -

व्यक्तिगत कृषि के प्रमुख गुण निम्नलिखित हैं -

(i) चूंकि व्यक्तिगत कृषि में उपज की वृद्धि अथवा कमी का सारा दायित्व कृषक पर होता है अतः वह अधिक लगन, कठिन परिश्रम एवं उत्साह से खेती करता है।

(ii) भारतीय किसान अपनी भूमि से इतना जुड़ गया है कि व्यक्तिगत कृषि भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल है और जीवन यापन का साधन बन गया है।

(iii) व्यक्तिगत कृषि में गहरी खेती (Intensive Cultivation) के लाभ प्राप्त होते हैं।

(iv) इस प्रणाली से किसान के व्यक्तित्व एवं उद्यम का विकास होता है।

(v) व्यक्तिगत कृषि में किसान को सरकारी संस्थानों से सीधे संपर्क करने का अवसर मिलता है जिससे वे महाजनों के शोषण से बचते हैं।

(vi) देश की भू-सम्पत्ति असंख्य कृषकों के बीच बंट जाने के कारण आर्थिक शक्ति के संकेन्द्रण का दोष उत्पन्न नहीं होता।

लेकिन व्यक्तिगत कृषि के कुछ दोष भी हैं जो निम्न-लिखित हैं-

(i) किसी व्यक्ति विशेष के साधन सीमित होते हैं जिसके चलते उसे कृषि का विकास करने में कठिनाई होती है।

(ii) व्यक्तिगत कृषि के कारण भूमि के उपविभाजन एवं अपखण्डन को बढ़ावा मिलता है।

(iii) इस प्रणाली के संचालन में आधुनिक एवं वैज्ञानिक तरीकों का प्रयोग करने में कठिनाई होती है जिसके बड़े पैमाने के कृषि उत्पादन के लाभ प्राप्त नहीं होते।

(iv) किसान की व्यक्तिगत एवं पारिवारिक कठिनाइयों के चलते कभी कभी उसकी खेती पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है।

इसप्रकार व्यक्तिगत कृषि के उपरोक्त दोषों के कारण यह वर्तमान समय में कृषि उत्पादन में वृद्धि करने में सफल नहीं हो पा रही है और इसके चलते कृषि में अनेक समस्याएँ उत्पन्न होती है। लेकिन इस व्यवस्था का आशावादी पहलू भी है क्योंकि इसके अन्तर्गत छोटे पैमाने पर सघन खेती के समस्त लाभ प्राप्त किये जा सकते हैं। प्रो० एल० एन० अग्रवाल के शोधों में, "जापान के छोटे-छोटे खेतों में संयुक्त राज्य अमेरिका और आस्ट्रेलिया की अपेक्षा प्रति हेक्टेयर दुगुना उत्पादन होता है तथा डेनमार्क और स्वीटजरलैण्ड के छोटे-छोटे खेतों में प्रति हेक्टेयर चौगुना उत्पादन होता है।" अतः अगर तन-मन तथा धन से लगकर खेती की जाए तो फसल में कई गुना वृद्धि होगी जिसका लाभ कृषक को प्राप्त होगा तथा अधिक लोगों को रोजगार प्राप्त होगा।